वट्ठिलभाई पटेल

[स्रोत: हिंदुस्तान टाइम्स]

वट्ठिलभाई पटेल के **केंद्रीय वधिानसभा के अध्यक्ष बनने** की **100वीं वर्षगांठ** के उपलक्ष्य में दल्लिी वधिानसभा द्वारा **अखलि भारतीय अध्यक्ष सम्मेलन** आयोजति कयिा गया।

- **प्रारंभकि जीवन:** वट्ठिलभाई पटेल, **सरदार वल्लभभाई पटेल** के भाई थे। इंग्लैंड में अध्ययन करने के बाद उन्होंने बंबई में वकालत की।
- **राजनीतकि जीवन:** वे बॉम्बे वधिान परषिद (1912) और इंपीरयिल वधिान परषिद (1918) के सदस्य चुने गए।
    - वर्ष 1922 में **चौरी-चौरा घटना** और **असहयोग आंदोलन के स्थगन के बाद** वट्ठिलभाई पटेल ने कॉन्ग्रेस छोड़ दी और **सी.आर. दास तथा मोतीलाल नेहरू** के साथ मलिकर स्वराज पार्टी की स्थापना की।
    - **वर्ष 1924 में वे केंद्रीय वधिानसभा** के सदस्य बने और वर्ष 1925 में उसके पहले भारतीय अध्यक्ष के रूप में प्रतष्ठिति हुए।

भारत की संसदीय परंपराओं के नरि्माण में वट्ठिलभाई पटेल की भूमकिा

- **संसद की सुरक्षा:** संसद सुरक्षा के लयि वार्ड एंड वॉच प्रणाली की शुरुआत की, जसिसे अध्यक्ष का नयिंत्रण बना रहा और यह व्यवस्था वर्ष 2024 तक जारी रही।
    - केंद्रीय वधिानसभा (1929) में भगत सहि और बटुकेश्वर दत्त बम वसि्फोट के बाद संसद की सुरक्षा को अपने हाथ में लेने के ब्रटिशि प्रयासों के खलिाफ दृढ़ता से खड़े रहे तथा अध्यक्ष के अधकिार को सुरक्षति रखा।
- **स्वतंत्र संसद सचविालय: स्वतंत्र संसद सचविालय** की स्थापना की, जो केवल अध्यक्ष को रपिोर्ट करता था, जसिसे स्वतंत्र सलाह और कार्यप्रणाली सुनश्चिति हुई।
- **वधिानसभा वभिाग (1929): वधिायी नकिाय के लयि अलग वभिाग** के गठन का नेतृत्व कयिा, जसिने अध्यक्ष की स्वायत्तता को और सुदृढ़ कयिा।

और पढ़ें: [भारत में संसदीय सुधार]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/vithalbhai-patel